

3rd Prize to Solar Bike at GGSIPU inter college Competition

In order to encourage use of solar energy a solar bike was designed by EEE students Ayush Goyal, Shivam Bajaj and Vishal Rajput under the guidance of Dr. Rajveer Mittal, HOD EEE



This bike comprises of 48 volt battery and 500 Watt motor. Maximum speed of bike is 20 KMPH and it can run upto 40 KM after fully charged. In order to make braking system more effective, research work is in under process on concept of regenerative braking for the bike.

02

YOUTH TODAY

पंजाब केसरी
दिल्ली/जयपुर
मंगलवार, 6 सितम्बर

दिल्ली के लड़कों की सोलर-ई-बाइक

आज कल सोलर एनर्जी का उपयोग के लिए सोलर एनर्जी के प्रयोग पर बल दिया जा रहा है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सोलर एनर्जी को बढ़ावा दे रहे हैं। इसी से प्रेरित होकर महाराजा अशोक इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैट) के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (ईईई) के तीन छात्रों ने सोलर-ई-बाइक बनाया है।

मैट के ईईई के छात्र आयुष गोयल बताते हैं कि वह खुद बाइक चलाते हैं। लेकिन पेट्रोल कि लगातार बढ़ती कीमतों कि वजह से बाइक चलाना काफी मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए जब कॉलेज की तरफ से उन्हें इस प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिला तो वे खुशी से उठल पड़े। प्रोजेक्ट के मेंटर डॉक्टर राजवीर मिश्रा और प्रोजेक्ट पर काम कर रही कॉलेज की ही एक अन्य शिक्षिका रश्मिका ने उनके अस्थावा विद्यालय राजपुत और शिवम बजाज को चुना था। इन्होंने साल भर महीने

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सोलर एनर्जी की पकडालत कर चुके हैं

में हुए गुरु गोविन्द सिंह इन्ड्रप्रसन्न विश्वविद्यालय के वार्षिक इंटर कॉलेज कॉम्पिटिशन के लिए यह बाइक बनाना था। इस कॉम्पिटिशन में इस बाइक को तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रोजेक्ट के मेंटर डॉक्टर राजवीर मिश्रा बताते हैं कि छात्रों ने छह महीने की कड़ी मेहनत के बाद इस बाइक को तैयार किया है। इस बाइक में 48 वॉल्ट की बैटरी और 500 वॉट की

मोटर लगाई गई है। बाइक की अधिकतम स्पीड 20 किलोमीटर प्रति घंटा है और इसे एक बार पूरी तरह से चार्ज करने के बाद 40 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इस बाइक पर दो लोग बैठ सकते हैं। इस बाइक की खासियत यह है कि इसमें रिजैनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम लगाया गया है। इससे ब्रेक लगाने से नाफ होने वाली ऊर्जा को वापस बैटरी में संचित किया जा सकता है। प्रोजेक्ट का हिस्सा रहे विशाल राजपुत बताते हैं कि इस बाइक में ब्रेम, बैटरी और सोलर किट बाजार से खरीदा गया है। रोप काम उन्होंने कॉलेज के प्रांगण में किया है। शिवम बजाज का कहना है कि इस बाइक को बनाने में करीब 50 हजार रुपए का खर्च हुआ है। इस खर्च में 32 हजार रुपए सोलर किट और 9 हजार की बैटरी शामिल है। शिक्षिका रश्मिका का कहना है कि बाइक को बाजार में उतारने के लिए इसने डिजाइन समेत अन्य कुछ तकनीकों पर काम किया जा रहा है। इससे इसकी स्पीड और एलएज दोनों में सुधार होगा साथ ही कोमत में भी कमी आएगी। — विकास कुमार